Class 10 Subject: hindi(kshitij) Topic-ch.3(सेनापति)

प्रश्न/उत्तर करो।

प्रश्न 3.

कविता में बंदीजन किसे कहा गया है?

उत्तर:

कविता में बंदीजन कोयल को कहा गया है।

प्रश्न 4.

प्रिय ने किस ऋतु में वापस आने के लिए प्रेयसी को कहा था?

उत्तर:

प्रिय ने प्रेयसी से वर्षा ऋतु में वापस आने को कहा था।

प्रश्न 5.

ऋतुवर्णन में ऋतुराज किसे कहा गया है?

उत्तर:

ऋतुवर्णन में वसंत को ऋतुराज कहा गया है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6.

'निबल अनल' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:

तात्पर्य यह है कि बहुत अधिक ठण्ड के कारण आग की गर्मी भी कम प्रतीत हो रही है।

RBSE Class 10 Hindi Chapter 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 7.

'चतुरंग दल' से सेनापति का क्या तात्पर्य है?

उत्तर:

'चतुरंग दल' का अर्थ चार अंगों से युक्त सेना होता है। ये चार अंग हैं-हाथी सवार, घुड़सवार, रथ सवार और पैदल सैनिक। कवि ने वसंत ऋतु में फूलों से युक्त वनों और उपवनों में स्थित वृक्षों को ऋतुराज वसंत की चतुरंगिणी सेना बताया है जो ऋतुओं के राजा वसंत के आगमन की सूचना दे रही है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 8.

सावन के माह में कामदेव नायिका को परेशान कैसे कर रहा है?

उत्तर:

सावन का महीना आते ही आकाश में काली घटाएँ घिर आई हैं। बार-बार बिजली चमक रही है और बादल भयंकर ध्वनि में गरज रहे हैं। कोयल, मोर आदि पक्षी कलरव कर रहे हैं। नन्हीं बूंदों से शीतल पवन चल रही है। ऐसे वातावरण में प्रेयसी को कामदेव के प्रभाव से विरहरूपी बुखार चढ़ आया है। वह प्रिय से मिलने को तरस रही है।

प्रश्न 9.

ग्रीष्म ऋतु में बादल और हवा की क्या स्थिति हो गई है?

उत्तर:

कवि सेनापति ने छन्द में ग्रीष्म और वर्षा ऋतुओं का श्लेष अलंकार के माध्यम से एक साथ वर्णन किया है। ग्रीष्म ऋतु

Scanned with CamScanner

आने से धरती और आकाश तप रहे हैं और गर्म हवा आग की लपट के समान होकर शरीर को झुलसा रही है। सभी लोग ग्रीष्म के ताप से व्याकुल होकर बादलों की शीतल छाया की चाह करते हुए व्याकुल हो रहे हैं।

RBSE Class 10 Hindi Chapter 3 निबंधात्मक प्रश्न

प्रश्न 10.
सेनापति का ऋतुवर्णन हिन्दी साहित्य में अनूठा क्यों है?
उत्तर:
हिन्दी के कवियों में सेनापति अपने प्रकृति वर्णन के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। सेनापति रीतिकालीन कवि थे। रीतिकालीन अधिकांश कवियों ने श्रृंगार रस प्रधान रचनाएँ की हैं। सेनापति ने विस्तार से प्रकृति वर्णन भी किया है। प्रकृति वर्णन के दो स्वरूप रहे हैं। उद्दीपन रूप तथा आलम्बन रूप।

Scanned with CamScanner

उद्दीपन प्रधान रूप में प्रकृति केवल भावों को उत्तेजित करने वाली दिखाई गई है और आलम्बन प्रधान रूप में प्रकृति को ही कविता का विषय बनाया गया है। कवि सेनापति के प्रकृति वर्णन की विशेषता यही है कि उन्होंने लीक से हटकर आलम्बन प्रधान प्रकृति का वर्णन किया है। सेनापति ने सभी ऋतुओं का विविधतापूर्ण चित्रण किया है। सभी ऋतुओं के दृश्यों का विस्तार और सजीवता से वर्णन हुआ है। इस वर्णन में सेनापति के सूक्ष्म निरीक्षण का परिचय मिलता है। वह ऋतुओं का शब्दचित्र उपस्थित करने में निपुण हैं। हमारी पाठ्य-पुस्तक में सेनापति के प्रकृति वर्णन पर आधारित चार कवित्त संकलित हैं। इनमें वसंत, ग्रीष्म और वर्षा का श्लेष अलंकार पर आधारित संयुक्त वर्णन तथा वर्षा और शीत ऋतु का वर्णन सम्मिलित है। इनमें सेनापति के प्रकृति वर्णन की सभी विशेषताएँ विद्यमान हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 11.

पठित काव्यांश के आधार पर शीत ऋतु का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

शीत ऋतु ने अपनी प्रबल सेना के साथ जगत पर आक्रमण किया तो आग की शक्ति क्षीण हो गई और सूर्य का ताप भी ठण्डा पड़ गया। बर्फ जैसी ठण्डी वायु चलने लगी है जो शरीर में तीर की भाँति चुभ रही है। शीत के भय से गर्मी भाग कर घरों के कोनों में जा छिपी है अर्थात् घरों के भीतर ही ठण्ड से कुछ रक्षा हो रही है। लोगों ने शीत से बचने के लिए अलाव जला लिए। तापने वालों की आँखों से धुएँ के कारण पानी बह रहा था। मानो ठण्ड के भय से रो रहे हों। लोग ठण्ड दूर करने के लिए आग पर गिर पड़ रहे हैं। आग के जरा-सा सुलगते ही लोग उस पर झुककर तापने लगते हैं। आग पर हाथ फैलाकर झुके हुए लोगों को देखकर ऐसा लग रहा है कि आग को ठण्ड से भयभीत देखकर लोगों ने उस पर हाथ फैलाकर और झुककर उसे अपनी छातियों के नीचे छिपा रखा है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 12.

वसंत ऋतु के सौन्दर्य पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

उत्तर:

वसंत को ऋतुराज (ऋतुओं का राजा) कहा गया है। शीत ऋतु के पश्चात् वसंत ऋतु के आगमन से ऐसा लग रहा है मानो शीत को पराजित करने और जीव-जगत को आनन्दित करने के लिए, ऋतुओं के राजा वसंत ने चतुरंगिणी सेना सजाकर चढ़ाई कर दी हो। राजा वसंत के स्वागत में कोयलरूपी बंदीजन (प्रशंसा करने वाले) उसका गुणगान कर रहे हैं। भौंरों की गुंजार के रूप में राजा के मनोरंजन के लिए गायकों द्वारा गीत गाए जा रहे हैं। चारों ओर छाई फूलों की सुगंध सोने में सुगंध' का दृश्य उपस्थित कर रही है। सरसों के पीले खेत राजा के स्वागत में बिछे सुगंध से युक्त सोने के बिछौने हैं। | इस प्रकार वसंत के स्वागत में आज धरती पर चारों ओर शोभा छाई हुई है और सभी प्रकार की सुखदायी साज-सज्जा दिखाई दे रही है।

Scanned with CamScanner